(2) A copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(II) (a) Annual Report and Accounts of the Export Inspection Council and Export Inspection Agencies (Volume-II), for the year 1993-94, together with the Audit Report on the Accounts.

(b) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) above

[Placed in Library. *See* No. LT. 8083/ 95]

(III) (a) Twenty-ninth Annual Report and Accounts of the Federation of Indian Export Organisations, New Delhi, for the year 1993-94, together with the Auditors' Report on the Accounts.

(b) Review by Government on the working of the above Federation.

(c) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) above.

[Placed in Library. *See* No. LT. 8089/ 95]

(IV) A copy (in English and Hindi) of the Ministry of Commerce, Notification S.O. No. 616(E), dated the 7th July, 1995, publishing the Tea (Distribution and Export) Control (Amendment) Order, 1995.

[Placed in Library. *See* No. LT. 8081/ 95]

REPORT OF THE DEPARTMENT-RELAYED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON COMMERCE

SHRI INDER KUMAR GUJRAL (Bihar): Sir, 1 present the Fifteenth Report (in English and Hindi) of the Department-Related Parliamentary Standing Committee on Commerce, on the Sick Textile Undertakings (Nationalisation) Amendment Bill, 1995 and the Textile Undertakings (Nationalisation) Bill, 1995.

STATEMENT B¥ MINISTER

On accident involving Purushottam Express and Kalindi Express trains near Ferozabad on 20th August, 1995—Contd.

" **श्री संघ प्रिय गौतम**: प्रधान मंत्री जी कहां हैं । प्रधान मंत्री जी को बुलाएं ...(**व्यवधान**)...

डा. मुरली मनोहर जोशी: प्रधान मंत्री जी को बुलाइए । प्रधान मंत्री को जवाब देना था ...(**व्यवधान**)...

श्री सतीश अग्रवाल: प्रधान मंत्री जी का उत्तर नहीं होगा,मल्लिकार्जुन जी नहीं बोलेंगे ...(**व्यवधान**)...जबकि मल्लिहार्जुन जी बोलने वाले थे ...(**व्यवधान**)...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: जो आइटम चल रहा था उसका क्या हुआ ...(**व्यवधान**)...जो लिस्टेड आइटम था उसका क्या हुआ ।

डा.मुरली मनोहर जोशी: हमें प्रधान मंत्री चाहिएं । उनका जवाब चाहिए ...(**व्यवधान**)...इतने गंभीर हादसे के बाद प्रधान मंत्री जी अनुपस्थित रहेंगे ...(**व्यवधान**)...वे कहां हैं । प्रधान मंत्री जी को बुलाइए ...(**व्यवधान**)...यह तो इस प्रकार से हजारों लोगों के जीवन से खेला जा रहा हैं । सैकड़ों लोगों की मृत्यु हो गयी हैं और इतने गंभीर रेल दुर्घटना हुई हैं । उसके पश्चात भी सरकार उसमें कोई रिस्पांस करने के लिए तैयार नहीं हैं । प्रधान मंत्री जी यहां आएं और जो कहा गया हैं उसका उत्तर दें । हम यह चाहेंगे कि जब तक रेल दुर्घटना के बारे में चर्चा समाप्त नहीं होती हैं और कोई बिजिनेस न हो ...(**व्यवधान**)... यह तो प्रश्नकाल ही आपने इसलिए स्थगित किया था कि यह सारी चर्चा चलती रहे और वह चर्चा चल रही थी । इसके बीच में प्रधान मंत्री जी यहां पधारे थे । हमने उनसे अनुरोध किया था ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश कलमाडी: आप सुनने को तैयार नहीं हैं ...(**व्यवधान**)...

डा.मुरली मनोहर जोशी: प्रधान मंत्री जी उत्तर देंगे कि नहीं ...(**व्यवधान**)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, I am on a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI) What is your point of order?

SHRI V. NARAYANASAMY. Sir, my point of order is that in the morning they did not allow the Minister to reply. *(Interruptions)* Unfortunately, the B.J.P. Members had walked out of the House.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: No. The Deputy Chairman adjourned the House. Nobody walked out. *(Interruptions)* She adjourned the House for lunch. *(Interruptions)*

डा.मुरली मनोहर जोशी: उपसभाध्यक्ष महोदय,आप श्री नारायणसामी जी को कहिए कि वह प्वायंट आफ् आर्डर के नाम पर हाउस में डिसआर्डर पैदा कर रहे हैं । ...(**व्यवधान**)...

SHRI V. NARAYANASAMY: They did not allow the Minister to answer. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): We have other business to take up.

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Sir, I am on a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): What is your point of order? Please go to your seat first.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, I have not yet completed my point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): You have already made your submission.

SHRI V. NARAYANASAMY: Then ruling may be given on my submission.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: You have not submitted anything. *(Interruptions)*

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Sir, they were seeking clarifications, but they were not allowing the Minister to answer.

SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Sir, I am on a point of order.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, they were not allowing the Minister to answer.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Let him make his submission, Narayanasamy Ji.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, in the morning they did not allow the Minister to answer. *(Interruptions)*

श्री कृष्णलाल शर्मा(हिमाचल प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय,मेरा प्वायंट आफ् आर्डर यह हैं कि रेल एक्सीडेंट को लेकर चर्चा शुरू हुई थीं । ...(**व्यवधान**)...फिर हाउस एडजर्न हुआ हैं । वह चर्चा अब फिर शुरू हानी चाहिए ।

थी । उसके लिए न प्राइस मिनिस्टर हाउस में हैं और न कंसर्न मिनिस्टर हाउस में हैं,तो क्या गवर्नमेंट की तरफ से उस चर्चा को स्थगित किया जा रहा हैं? मैं आपकी इसमें रूलिंग चाहता हूं कि वह चर्चा चल रही हैं या समाप्त हो गई हैं ? उस चर्चा का क्या हुआ इस पर हमें रूलिंग चाहिए ?

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: They should be ashamed of the way they are treating the House.

मौलाना ओबैदुल्ला ख़ान आज़मी (उत्तर प्रदेश): मुझे यह अर्ज़ करना हैं कि सुबह सिकन्दर बख्त साहब ने प्राइम मिनिस्टर साहब के आने के बाद जब चेयर ने यह कहा कि मल्लिकार्जुन साहब बोलेंगे तो यहां से एक एतराज हुआ कि सुबह गवर्नमेंट ने यह आश्वासन दिया हैं कि जब प्राइम मिनिस्टर साढ़े ग्यारह बजे आ जायेंगे और जितने लोग बोलने के बाकी हैं वे उनके सामने अपनी बात रखेंगे और उसके बाद प्राइम मिनिस्टर साहब जवाब देंगे । यह कोई पौलिटिक्स की बात नहीं हैं । एक तो बहुत ही संजीदगी के साथ इस बात को हमको मानना चाहिए कि तीन सौ आदमी ...(**व्यवधान**) हां.कम से कम तीन सौ आदमी ज्यादा से ज्यादा की अभी तादाद मुकर्रर नहीं की गई हैं । मैं कहता हूं कि हम ही लोगों में से हमारे जिम्मेदार लोग थे, शहरी थे,बहुत बड़ी दुर्घटना हुई है । उसको इतने गैर-जिम्मेदाराना तरीके से लेने की जरूरत नहीं हैं । जब यह बात गवर्नमेंट से तय हो गई थी कि प्राइम मिनिस्टर साहब के आने के बाद जितने लोग बाकी हैं वे बोलेंगे और उसके बाद प्राइम मिनिस्टर साहब उसका जवाब देंगे तो गवर्नमेंट को अपनी कही बात पर कायम रहना चाहिए या नहीं ? आज हम पूरे मुल्क को क्या मैसेज देना चाहते हैं ? क्या हम उनकी लाशों के साथ भी खिलवाड़ करना चाहते हैं,जो लोग इस तरह से मारे गए हैं? मैं डिमांड करता हूं कि प्राइम मिनिस्टर साहब को बुलाया जाए और प्राइम मिनिस्टर साहब जवाब दें ।

†مولانا عبیداللہ خاں اعظمی

"اترپردیش": مجھے عرض کرنا ہے کہ صبع سکندر بخت صاحب نے پرائم منسٹر صاحب کے آنے کے بعد جب چیئر نے یہ کہا کہ ملک ارجن صاحب بولینگے تو یہاں سے ایک اعتراض ہوا کہ صبع گورنمنٹ

†[] Transliteration in Arabic Script.

भी ताईदगी हो सकती थी कि मल्लिकार्जुन जी के नोट्स प्रधान मंत्री ले लें और प्रधान मंत्री उस पर अपना जवाब तैयार कर लें । इसलिए हम लोग यह आशा लगाए थे कि दो बजे जब सदन बैठेगा तो प्रधान मंत्री सीधे आकर चर्चा का जवाब देना प्रारंभ करेंगे जोकि उस विषय की तार्किक परिणति थी,लांजिक कनक्लूजन था,लेकिन मुझे हैरानी हैं और दुख भी हैं कि प्रधान मंत्री हैं और नोट्स लेनेवाले मंत्री भी नदारद हैं और सीधे दूसरा विषय शुरू हो गया-पेपर ले करना शुरू हो गया,लेजिस्लेटिव विनोत शुरू हो गया । तो उपाध्यक्ष महोय,यह क्या हैं? यह विषय की कौन सी गंभीरता हम देख रहे हैं,जांच कर रहे हैं और लोगों को क्या संदेश दे रहे हैं । इसलिए मेरा व्यवस्था का प्रश्न भी हैं और आप से अनुरोध भी हैं कि सुबह भोजनावकाश से पहले चलने वाले विषय को तार्किक परिणति तक अबाम दीजिए । प्रधान मंत्री को सदन में बुलवाइए और सीधे चर्चा का जवाब प्रारंभ करवाइए प्रधान मंत्री से । केवल यही एक मांग हैं सदन की और दूसरा कोई विषय सदन इस समय ले नहीं सकता हैं जब तक कि प्रधान मंत्री जी उस चर्चा का जवाब नहीं दे देते ।

श्रीसत्य प्रकाश मालवीय(उत्तर प्रदेश):माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, जो हृदय-विदारक रेल दुर्घटना हुई, उसपर माननीय मंत्री जी ने अपना वक्तव्य दिया और बीच में प्रधान मंत्री भी आए,लेकिन किसी कारणवश माननीय उपसभापति जी ने करीब पौने एक बजे इस सदन को स्थगित कर दिया और आदेश दिया कि अब दो बजे हम बैठेंगे । अब दो बजे हम यहां बैठे तो प्रधान मंत्री जी की अनुपस्थित हैं । इसलिए मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह हैं कि सदन की उपेक्षा हैं,सदन के सदस्यों की उपेक्षा हैं,सदन के सदस्यों के अधिकार की उपेक्षा हैं और इस उपेक्षा के लिए आप व्यवस्था दें,प्रधान मंत्री जी को बुलवांए और जो स्पष्टीकरण पूछे गए हैं,उन का उत्तर प्रधान मंत्री जी दें ।

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, it" we in the House demanded a reply from none other than the Prime Minister, there is no one to blame except the Prime Minister himself because our Prime Minister is in the habit of talcing over portfolios after portfolios. ..*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): It is irrelevant.

نے یہ آشواسن دیا ہے کہ جب پرائم منسٹر ساڑھے گیارہ بجے آجائینگے اور جتنے لوگ بولنے کے باقی ہیں وہ انکے سامنے اپنی بات رکھیں گے۔ اور اسکے بعد پرائم منسٹر صاحب جواب دینگے۔ یہ کوئی پولیٹکس کی بات نہیں ہے۔ ایک تو بہت ہی سنجیدہ گی کے ساتھ اس بات کو ماننا چاہئے کہ تین سو آدمی ..."مداخلت"... ہاں کم سے کم تین سو آدمی زیادہ سے زیادہ کی ابھی تعداد مقرر نہیں کی گئی ہے۔ میں کہنا چاہتا ہوں کہ ہم ہی لوگوں میں سے ہمارے ذمہ دار لوگ تھے۔ شہری تھے۔ بہت بڑی درگھٹنا ہوئی ہے۔ اسکو اتنے غیر ذمہ دارانہ طریقے سے لینے کی ضرورت نہیں ہے۔ جب یہ بات گورنمنٹ سے طے ہوگئی کہ پرائم منسٹر صاحب کے آنے کے بعد جتنے لوگ باقی ہیں وہ بولیں گے اور اسکے بعد پرائم منسٹر صاحب اسکا جواب دینگے تو گورنمنٹ کو اپنی کہی بات پر قائم رہنا چاہئے یا نہیں۔ آج ہم پورے ملک کو کیا میسیج دینا چاہتے ہیں۔ کیا ہم انکی لاشوں کے ساتھ بھی کھلواڑ کرنا چاہتے ہیں۔ جو لوگ اس طرح سے مارے گئے ہیں۔ میں ڈمانڈ کرتا ہوں کہ پرائم منسٹر صاحب کو بلایا جائے اور پرائم منسٹر صاحب جواب دیں۔

یہ بات گورنمنٹ سے طے ہوگئی کہ پرائم منسٹر صاحب کے آنے کے بعد جتنے لوگ باقی ہیں وہ

How is it connected to this ..*(Interruptions)*...

SHRI JAGESH DESAI: This kind of remark should not go on record. It is denigrating and insulting.

MISS SAROJ KHAPARDE: I think this is really unfair. ..*(Interruptions)*...

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: There is nothing unparliamentary. It is a matter of fact.

SHRI KRISHAN LAL SHARMA: There is no unparliamentary word. It is not a derogatory remark.

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA (Punjab): Is Mr. Jaipal Reddy serious about the railway accident? Is he just discussing the portfolio of the Prime Minister? It is a very serious matter.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: I agree with you. It is very serious. That is why .... *(Interruptions)*...

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: I would appeal to that section of the House to take this national tragedy seriously rather than indulging in *(Interruptions)*. Kindly listen to me. ..*(Interruptions)*... Please do not play politics with people's lives. ..*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: I was making my observations in all humility and in all seriousness because the House cannot take a reply from any other person than the concerned person under the rules. In the forenoon, the concerned Minister—in this case, the Prime Minister—was present in the House. Some other Minister was replying which is not correct under the rules. If the Prime Minister handles so many portfolios and if it is difficult, are we to blame for it? That is the point I was trying to stress. If he saddles himself with so many portfolios, it is for him to handle. But that cannot take away the right of the House to demand a reply from the Minister. This right of the House cannot be compromised like that.

SHRI G. SWAMINATHAN: The only point I would like to raise it this. If somebody explains, he should be responsible for that explanation. Now there is no Minister. The hon. Minister of Railways, Mr. Jaffer Sharief, has gone for his treatment. We wish him well. But, in his absence, the Prime Minister is in charge. It is very unfortunate that there is no State Minister or Deputy Minister. *(Interruptions)*. If there is a State Minister, because the Cabinet Minister is not there, the State Minister can reply. Even if the State Minister is not there, a Deputy Minister, if he is a Minister concerned with the Railways, can give the reply. Their reply may be that a Minister is responsible for the totality of the Government. But this is a serious matter on which no Minister can give a satisfactory answer to the Opposition because the Opposition is concerned. That is one point. We thought that having come here, the Prime Minister would give a fitting reply to the Opposition. The Opposition is concerned; not concerned about the accident alone, but also about what they are going to do in future. That is what we are interested in. In future, this should not be repeated. We wanted to know from the words of the Prime Minister that he would....*(Interruptions)*. Only one minute. The reason why we have been asking for this is, the Parliamentary Affairs Minister, Mr. Shukla, told the Opposition in the morning that the Prime Minister would reply. You cannot renege on the words of the hon. Minister. If he had not assured the Opposition, we would not have asked for it. He himself stated that the Prime Minister would reply. Are you going back on his words? We want to know that.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): श्री सुरेश कमलाडी।

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब,मुझे एक बात खाली पूछनी हैं कि यह सिलसिला कब तक जारी रहेगा? यह दुरूस्त नहीं हैं। जहां सिलसिला खत्म हुआ था,वहां से शुरू होना चाहिए । अगर वहां से शुरू नहीं हो रहा तो मुझे ऐसा लगा रहा हैं कि ....(**व्यवधान**)....नए किस्म की बहस के लिए खिड़कियां खोली जा रही हैं । क्या मतलब हैं इसका ? ....(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** صدر صاحب مجھے ایک بات خالی پوچھنی ہے کہ یہ سلسلہ کبتک جاری رہیگا یہ درست نہیں ہے۔ جہاں سلسلہ ختم ہوا تھا وہاں سے شروع ہونا چاہئے۔ اگر وہاں سے شروع نہیں ہو

†[]Transliteration in Arabic Script.

رہا ہے تو مجھے ایسا لگ رہا ہے کہ ..."مداخلت"... نئے قسم کی بحث کیلئے کھڑکیاں کھولی جا رہی ہیں۔کیا مطلب ہے اسکا ..."مداخلت"...

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): मैम्बर्स के इस संबंध में क्या मत हैं,क्या व्यूज हैं यह जानने के बाद कुछ डिसीजन लेंगे ।...

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब,यह बिल्कुल दुरूस्त नहीं है । मुझे लग रहा हैं कि कोई नए किस्म के सिलसिले के दरवाजे खोले जा रहे हैं । वह ठीक नहीं हैं ।....(**व्यवधान**)....

†**شری سکندر بخت:** صدر صاحب۔ یہ بلکل درست نہیں ہے۔ مجھے لگ رہا ہے کہ کوئی نئے قسم کے سلسلے کے دروازے کھولے جا رہے ہیں۔وہ ٹھیک نہیں ہے..."مداخلت"...

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: जब तक प्राइम मिनिस्टर नहीं आते,तब तक हाऊस एडजोर्न कर दीजिए । दूसरा कोई काम नहीं हो सकता । ....(**व्यवधान**)....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): What is your point, Mr. Suresh Kalmadi? *(Interruptions).* Let him speak. I will ask the Minister to react.

श्रीमती सुषमा स्वराज: इस सदन का कोई मतांतर नहीं हैं,प्रधान मंत्री इस्तीफा दें । ....(**व्यवधान**)....नहीं तो यहां आकर बोलकर इस्तीफा दें । ....(**व्यवधान**)....

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Sir, I would like to bring it to the notice of the House that in this train accident, 30 athletes who were there in a national camp and were on their way back, also perished along with three of the very prominent, coaches who were training them. Through you, Mr. Vice-Chairman, I would like to pay condolences and tell the bereaved families that we all care and we feel very, very bad about it.

†[] Transliteration in Arabic Script.

Mr. Mallikarjun was here in the morning. The Government reacted very promptly. They sent Mr. Mallikarjun to the site. *(Interruptions).*

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Rajasthan): Why only Mr. Mallikarjun? Why not you? That is the point.

SHRI SURESH KALMADI: Mr. Mallikarjun went to the site of the accident arid prompt action has been taken. Here also, the matter was raised in the House and a statement was made. A lot of clarifications were asked and when Mr. Mallikarjun started giving the reply—he spoke on some points— *(Interruptions)*

SHRI JIBON ROY: Who is he? *(Interruptions)*

SHRI SURESH KALMADI: But the Opposition was not allowing the House to function and because of that, the House was adjourned. You should not plead as if we were not interested. This is a matter of a great tragedy and we all are equally interested in the matter. I do not know why the Opposition used the obstructionist tactics when the Minister wanted to give his reply. *(Interruptions)* The Prime Minister would have spoken definitely, but the Opposition did not want this to happen. *(Interruptions)* They wanted to politicise the issue and that is why the House was abruptly adjourned. That must be put on record.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Shri Buta Singh *(Interruptions)*

THE MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI BUTA SINGH): Mr. Vice-Chairman, Sir ...*(Interruptions)*

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Who is he? *(Interruptions)* Can anyone answer on behalf of the Government? *(Interruption)* If it is so, then why Buta Singh and why not Jagdish Tytler? *(Interruptions)* We want a reply from the concerned Minister. *(Interruptions)*

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: बूटा सिंह जी,आप कैसे खड़े हो गए ? ....(**व्यवधान**)....

SHRI SURESH KALMADI: Mr. Buta Singh is a senior Minister. Why don't you listen to him? *(interruptions)*

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Is he replying or is he also raising a point of order?

डा.मुरली मनोहर जोशी: उपसभाध्यक्ष महोदय,आप कृपा करके यह बताएं कि प्रधान मंत्री जी कब पधार रहे हैं?

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): आप बूटा सिंह जी को सुनिए शायद पता चल जाए।

डा.मुरली मनोहर जोशी: हम आपके माध्यम से जानना चाहते हैं कि प्रधान मंत्री कब पधार रहे हैं,आप सूचित करें हमें। ....(**व्यवधान**)....सदन के अध्यक्ष का यह कर्त्तव्य होता हैं कि वह हमें यह बताएं। ....(**व्यवधान**)....

SHRI R. MARGABANDU: Though there is the joint responsibility of the Cabinet towards the House, the concerned Minister is responsible for giving the answer. *(Interruptions)*

SHRIMATI MIRA DAS: When I was asking clarifications, my point was: "Why are there four Parliamentary Affairs Ministers? Why is there not a single Minister incharge of the Railways who can answer this point?" Can Mr. Buta Singh answer this point? My point was that. *(Interruptions)*

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: He has no *locus standi* to reply on behalf of the Government. *(Interruptions)* Is he on a point of order? *(Interruptions)* I want your ruling.

SHRI BUTA SINGH: Sir, I am making an observation.. .*(Interruptions)*

डा.मुरली मनोहर जोशी: प्रश्न केवल एक हैं कि जो चर्चा चल रही थी,वह कब रिप्लाई करेंगे ? ....(**व्यवधान**)....

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): मेरी बात तो सुनिए। ....(**व्यवधान**)....मंत्री का रिएक्शन तो सुन लीजिए। ....(**व्यवधान**)....

कई माननीय सदस्य: नो।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: मतंग सिंह जो हैं ....(**व्यवधान**)....आज इनको सुनने का प्रश्न ही नहीं हैं ....(**व्यवधान**)....

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: What is his reply?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. Parliamentary Affairs Minister, what is your reaction? *(Interruptions)* Let me know what the Minister of State for Parliamentary Affairs has to say. *(Interruptions)*

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: We are not prepared to listen to him. Let a senior Minister explain. *(Interruptions)*

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Let the Minister of State for Home Affairs speak on this. Anyone can answer. You can also answer. *(Interruptions)*

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (मतंग सिंह): उपसभाध्यक्ष महोदय,आज सुबह जब चेयरमैन साहब के कमरे में लीडर आफ अपोजीशन के साथ मीटिंग हुई थीं, उसमें यह बात तय हुई थी कि मल्लिकार्जुन जी स्टेटमेंट देंगे और उस क्लैरिफिकेशन्स पूछे जाएंगे। ....(**व्यवधान**)....

श्री महेश्वर सिंह: हम आपको बधाई दे सकते हैं,सुन नहीं सकते।

श्री मतंग सिंह: प्रधान मंत्री जी उस समय मौजूद रहेंगे। किसी भी मैम्बर को अगर कोई क्लेरिफिकेशन की जरूरत होगी,अगर वह प्रधान मंत्री से पूछना चाहेंगे तो प्रधान मंत्री ....(**व्यवधान**)....रिप्लाई करेंगे। दूसरी बात कि अननेसेसरी हमारे वरिष्ठ सहयोगी और सांसद इस मुद्दे का उठा रहे हैं कि हु इज़ दि रिलवे मिनिस्टर। ....(**व्यवधान**)....

श्री जनार्दन यादव: पहली बात बोलिए । ....(**व्यवधान**)....

श्री मतंग सिंह: ....(**व्यवधान**)....जब श्री सी.के.जाफर विदेश यात्रा पर गए तो प्रधान मंत्री जी ने वह डिपार्टमेंट अपने पास रखा। उसके बाद उन्होंने श्री मल्लिकार्जुन,मिनिस्टर आफ स्टेट को रेलवे का राज्य मंत्री का कार्यभार सौंपा। ....(**व्यवधान**)....

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: यह कहां सौंपा हैं ? ....(**व्यवधान**)....

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: यह बताया हैं कि मल्लिकार्जुन जी इस विषय पर राज्य सभा में उत्तर देंगे । ....(**व्यवधान**)....यह नहीं हुआ हैं । ....(**व्यवधान**)....यह हाऊस को मिस-लीड कर रहे हैं । ....(**व्यवधान**)....

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: आप क्यों नहीं प्राईम मिनिस्टर बन जाते । ....(**व्यवधान**)....आप प्राईम मिनिस्टर बन जाइए अपना एनाउंसमैट करने के लिए । यह कहां से हो गया ।

...*(Interruptions)*... Who has done this? ...*(Interruptions)*...

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: Is it a private company? ...*(Interruptions)*... Is it your private limited company? ... *(Interruptions)*... This is absolutely objectionable. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I adjourn the House for the day.

The House then adjourned at twenty-seven minutes past two of the clock till eleven of the clock on Tuesday, the 22nd August. 1995.